भा.कृ.अनु.प.-भारताय सायाबान अनुसन्धान सस्थान,
खण्डवा राड, इदार-452001

फाइल नं: ाहदा कायशाला/प्रस नाट / **2020/13** ादनाक **:15.12.2020**

भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान में त्रैमासिक राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान सस्थान, इदा म ादनाक 15.12.2020 को ज़ूम एप पर वचुअल माड क माध्यम स त्रमासक ाहदा कायशाला का आयाजन ाकया गया. इस कायशाला के अवसर पर आताथ वक्ता डा. दवश कुमार त्याग, उप ानदशक (राजभाषा), प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, मध्य प्रदश, (मध्य प्रदश /छत्तास गढ) न शासकाय कायप्रणाला म राजभाषा क प्रयाग एव उनका उपयागता स सम्बाधत अनक ाबन्दुआ पर चचा का.

आताथ वक्ता डा. दवश कुमार त्यागा के अनुसार साकातक ाचत्रा क माध्यम को अपनाते हुए पाढ़ा दर पाढ़ा गुजरत हुए उाचत बदलाव क साथ स्थानाय बाला क रूप म धीरे - धीरे ाहदा भाषा का ावकास हुआ है, ाजसका अन्य क्षत्रा म भा प्रचलन हाता गया. भारत सरकार द्वारा पाारत प्रावधाना के कारण वत्तमान म सभा कद्राय कायालया म राजभाषा को कामकाज का भाषा क ालए प्रात्सााहत ाकया जा रहा ह. राजभाषा ाहदा के प्रयाग से दश का जनता का प्रशासन स साध जाड़न क ालए सेतु क रुप म काय कर रहा ह. इसन पूव म भा स्वतत्रता आदालन के समय म दश का एक सूत्र म बांधे रखन म अपना महत्वपूण योगदान ादया है. ाहदा का राजभाषा बनान क ालए बंगाल म राजाराम माहन रार, रावन्द्र नाथ टैगोर, श्यामा प्रसाद मुखजा जस अनक ाविद्वाना एव समाजसावया का योगदान अतुलनीय है. ाहदा क समकालान अन्य भाषाआ का चचा करत हुए उन्हान यह भी कहा ाक साहत्य क क्षत्र म ाहदा क साथ-साथ बगाला, मराठा व ाहदा का उपयुक्तता हमशा रहा ह जा का हमारा सस्कृात का अग ह. डा. त्यागा के अनुसार डॉ. पेथे द्वारा ालाखत पुस्तक म उल्लख ह ाक ाकस प्रकार स ाहन्दा हमारा राजभाषा हाना चााहए तथा राजभाषा क रूप म प्रयाग स दवनागरा ालाप म ालख अंको को सरलता से अपनाया जा सकता है ।

इस कायशाला का अध्यक्षता सस्थान क प्रभारा ानदशक डा. सजय कुमार गुप्ता न का तथा धन्यवाद प्रस्ताव श्रा ावकास कशरा न प्रस्तुत ाकया।